

टैक्स, बैंकिंग और खर्च में बड़े बदलाव

1 अप्रैल से बदल गए कई जरूरी नियम, आम लोगों पर होगा असर

नई दिल्ली, 1 अप्रैल. 1 अप्रैल 2026 से नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत के साथ आम लोगों की आर्थिक जिंदगी में कई अहम बदलाव लागू हो गए हैं. नए आयकर कानून से लेकर जीएसटी, बैंकिंग, डिजिटल पेमेंट, एलपीजी कीमतों और रेलवे नियमों तक, कई फैसलों का सीधा असर जेब पर पड़ेगा.



नियमों में व्यापक बदलाव लागू हो गए हैं, जिनका असर हर वर्ग के लोगों पर पड़ेगा. सबसे बड़ा बदलाव नए आयकर अधिनियम 2025 के रूप में सामने आया है, जिसने दशकों पुराने कानून को गहरे ढंग से बदल दिया है. जहां कुछ फैसले राहत देने वाले हैं, वहीं बढ़ती महंगाई और ईंधन कीमतों में इजाफा लोगों की चिंता बढ़ा सकता है. नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत के साथ देश में आर्थिक और वित्तीय

साथ ही, टैक्स फाइलिंग प्रक्रिया को सरल बनाया गया है. आईटीआर दाखिल करने की समय सीमा में भी बदलाव किया गया है, जिससे अलग-अलग श्रेणी के करदाताओं को थोड़ी अधिक स्पष्टता मिलेगी. गिफ्ट और वाउचर पर टैक्स छूट बढ़ाकर 15,000 रुपये कर दी गई है, वहीं बच्चों के शिक्षा और हॉस्टल भत्ते में वृद्धि से परिवारों को फायदा होगा.

कमिश्नरियल एलपीजी सिलेंडर के दाम में लगभग 200 रुपये की बढ़ोतरी से होटल और रेस्टोरेंट में खाने-पीने की चीजें महंगी हो सकती हैं. प्रीमियम पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भी इजाफा हुआ है, हालांकि सामान्य ईंधन दरें स्थिर रखी गई हैं. वित्तीय पारदर्शिता बढ़ाने के लिए पी और आधार से जुड़े नियम सख्त किए गए हैं. डिजिटल और क्रॉडि कार्ड खर्च की जानकारी अब आयकर विभाग को दी जाएगी. एचआरए छूट के लिए भी सख्त दस्तावेजी शर्तें लागू की गई हैं. डिजिटल पेमेंट को सुरक्षित बनाने के लिए टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन अनिवार्य कर दिया गया है, जबकि एटीएम से यूपीआई निकासी भी अब 30 ट्रांजैक्शन लिमिट में शामिल होगी.

चावल, गेहूं, चीनी के भाव गिरे, खाद्य तेलों, दालों में घट-बढ़

नई दिल्ली, 1 अप्रैल. घरेलू थोक जिंस बाजारों में बुधवार को चावल की औसत कीमत गिर गयी. चावल के साथ गेहूं और चीनी में भी नरमी देखी गयी जबकि दालों और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा. औसत दर्जे के चावल का औसत भाव तीन रुपये घटकर 3,865 रुपये प्रति क्विंटल रह गया. गेहूं 23 रुपये सस्ता हुआ और 2,790 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया. आटे की कीमत भी 24 रुपये टूट गयी. दाल-दलहनों में उतार-चढ़ाव रहा. मूंग दाल औसतन 28 रुपये और उड़द दाल 26 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई. वहीं, मसूर दाल का भाव 30 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गया. तुअर दाल की कीमत सात रुपये और चना दाल की चार रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी.

जीएसटी कलेक्शन 2 लाख करोड़ पार

सालाना आधार पर 8.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई
भारतीय अर्थव्यवस्था में खपत और टैक्स अनुपालन बना हुआ है मजबूत



नई दिल्ली, 1 अप्रैल. मार्च 2026 में जीएसटी कलेक्शन ने मजबूत उछाल दिखाते हुए 2 लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है. सालाना आधार पर इसमें 8.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो देश की मजबूत आर्थिक गतिविधियों और बढ़ते आयात का संकेत है.

सरकार के मुताबिक, खासकर आयात से मिलने वाले जीएसटी में तेज बढ़ोतरी ने कुल संग्रह को नई ऊंचाई पर पहुंचाया है. यह आंकड़े बताते हैं कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था में खपत

आंकड़ों के अनुसार, इस दौरान कुल जीएसटी कलेक्शन 2,00,064 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल के 1,83,845 करोड़ रुपये के मुकाबले 8.8 प्रतिशत अधिक है. इस वृद्धि में आयात से मिलने वाले जीएसटी का बड़ा योगदान रहा, जिसमें सालाना आधार पर 17.8 प्रतिशत की तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई. वहीं, घरेलू लेनदेन से मिलने वाले जीएसटी में 5.9 प्रतिशत का इजाफा हुआ, जो स्थिर खपत को दर्शाता है.

पूरे वित्त वर्ष 2025-26 के आंकड़े भी उत्साहजनक रहे हैं. इस दौरान कुल जीएसटी संग्रह 22.27 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो पिछले वित्त वर्ष के 20.55 लाख करोड़ रुपये से 8.3 प्रतिशत ज्यादा है. वहीं, शुद्ध जीएसटी संग्रह 19.34 लाख करोड़ रुपये रहा, जिसमें 7.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई. हालांकि, इस दौरान उपकर (सेस) संग्रह में गिरावट देखने को मिली और यह नकारात्मक स्तर (-177 करोड़ रुपये) पर पहुंच गया, जिसका कारण अधिक रिफंड और समायोजन बताया गया है.

वाणिज्यिक रसोई गैस सिलेंडर दिल्ली में 195 रुपए महंगा

नई दिल्ली, 1 अप्रैल. पश्चिम एशिया संकट के कारण आपूर्ति संबंधी बाधाओं के बीच तेल विपणन कंपनियों ने बुधवार से 19 किलोग्राम वाले वाणिज्यिक रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में भारी-भरकम बढ़ोतरी की घोषणा की है. देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन से प्राप्त जानकारी के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पहली अप्रैल से 19 किलोग्राम वाला एलपीजी सिलेंडर 2,078.50 रुपये का मिलेगा. इसकी कीमतगत 07 मार्च को बढ़ाकर 1,883 रुपये की गयी थी. इस प्रकार अब यह 195.50 रुपये यानी 10.38 प्रतिशत महंगा हो गया है. जनवरी से वाणिज्यिक

एलपीजी सिलेंडर की कीमत में यह पांचवीं बढ़ोतरी है. इस दौरान दिल्ली में यह 498 रुपये महंगा हो चुका है. घरेलू इस्तेमाल वाले 14 किलोग्राम के रसोई गैस सिलेंडर में कोई बदलाव नहीं किया गया है. इसमें 07 मार्च को 60 रुपये की वृद्धि की गयी थी और फिलहाल दिल्ली में इसकी कीमत 913 रुपये प्रति सिलेंडर है. कोलकाता में पहली अप्रैल से वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर 218 रुपये महंगा होकर 2,208 रुपये का और मुंबई में 196 रुपये की बढ़ोतरी के साथ 2,031 रुपये का हो गया है. चेन्नई में 9.33 प्रतिशत) बढ़कर अब 2,246.50 रुपये प्रति सिलेंडर पर पहुंच गयी है.

मुंबई एयरपोर्ट पर देश की पहली इन-टर्मिनल विक्क कॉमर्स सेवा

मुंबई, 1 अप्रैल. मुंबई हवाई अड्डे की टर्मिनल-2 पर देश की पहली इन-टर्मिनल क्रिक कॉमर्स डिलीवरी सेवा शुरू की गयी है. पहली बार किसी टर्मिनल के भीतर इस तरह की सेवा शुरू की गयी है. इससे यात्रियों के लिए बोर्डिंग गेट, लाउंज, फूड कोर्ट और पार्टनर आउटलेट्स सहित टर्मिनल के भीतर कहीं भी अपना ऑर्डर मंगाना आसान हो गया है. बताया गया है कि डिलीवरी का काम प्रशिक्षित ऑन-ग्राउंड कर्मचारियों द्वारा कुछ ही मिनटों में पूरा किया जाता है, जिससे यात्रियों को एक सुरक्षित और सहज अनुभव मिलता है. इस सेवा के लिए अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड ने क्रिक कॉमर्स प्लेटफॉर्म बिलिंकिट के साथ करार किया है.

युद्ध विराम की उम्मीद से शेयर बाजार में तेजी

1,900 अंक चढ़ा संसेक्स
567 अंक की बढ़त पर रहा निफ्टी

मुंबई, 1 अप्रैल. ईरान युद्ध जल्द समाप्त होने की उम्मीद में घरेलू शेयर बाजारों में बुधवार को शुरुआती कारोबार में जबरदस्त तेजी देखी गयी और बीएसई के संसेक्स 1,900 अंक से ज्यादा उछल गया. संसेक्स 1,814.88 अंक की बढ़त के साथ 73,762.43 अंक पर खुला और कुछ ही देर में पिछले कारोबारी दिवस की तुलना में करीब 1,969 अंक ऊपर 73,916 अंक पर पहुंच गया. खबर लिखे जाते समय यह 1,648.46 अंक (2.29



प्रतिशत) की मजबूती के साथ

73,596.01 अंक पर था. अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड बुधवार रात (भारतीय समय के अनुसार गुरुवार सुबह) राष्ट्र को संबोधित करने वाले हैं. उनके हालिया बयानों से निवेशकों को उम्मीद है कि वह ईरान युद्ध जल्द समाप्त करने की घोषणा कर सकते हैं. इससे वैश्विक स्तर पर शेयर बाजारों में तेजी लौट आयी है.

अमेरिका-ईरान नरमी से तेल कीमतों में बड़ी गिरावट

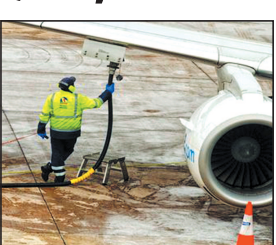
नई दिल्ली, 1 मार्च. अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में बुधवार को तेज गिरावट दर्ज की गई, जिससे वैश्विक निवेशकों और आयातक देशों को राहत मिली है. तेल के दामों में यह नरमी अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव में संभावित कमी के संकेतों के बाद आई है.



ब्रेंट क्रूड फ्यूचर्स, जो दिन की शुरुआत में 105.86 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया था, वह इट्राडे में गिरकर 102.79 डॉलर तक आ गया. इसी तरह, यूएस वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड भी अपने उच्च स्तर से फिसलकर करीब 101 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार करता नजर

जेट फ्यूल महंगा, फिर भी नहीं बढ़ेंगे हवाई किराए

नई दिल्ली, 1 अप्रैल. जेट फ्यूल की कीमतों में बढ़ोतरी के बावजूद सरकार ने घरेलू हवाई यात्रियों को राहत दी है. अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से एटीएफ महंगा हुआ है, लेकिन सरकार ने एयरलाइंस पर पूरा बोझ नहीं डालने का फैसला किया है. इससे घरेलू उड़ानों के किराए फिलहाल नहीं बढ़ेंगे. इस कदम का उद्देश्य यात्रियों पर अतिरिक्त आर्थिक दबाव को कम करना और विमानन क्षेत्र को स्थिर बनाए रखना है. जेट फ्यूल (एटीएफ) की कीमतों में बढ़ोतरी के बावजूद



सरकार ने घरेलू हवाई यात्रियों को बड़ी राहत दी है. पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के चलते एटीएफ की कीमतों में भारी उछाल की आशंका थी, लेकिन सरकार ने हस्तक्षेप करते हुए इस बढ़ोतरी को सीमित कर

विमान ईंधन की कीमत में 100 प्रतिशत से ज्यादा की वृद्धि

पश्चिम एशिया संकट के कारण आपूर्ति संबंधी बाधाओं के कारण तेल विपणन कंपनियों ने बुधवार से विमान ईंधन के दाम में 100 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी कर दी है. देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन से प्राप्त जानकारी के अनुसार, आज 01 अप्रैल से दिल्ली में विमान ईंधन 2,07,341 रुपये प्रति किलोलिटर का हो गया है. मार्च में इसकी कीमत 96,638 रुपये थी. इससे एयरलाइंस पर लागत का

दबाव तो बढ़ेगा, लेकिन यात्रियों पर किराया बढ़ाने का असर फिलहाल नहीं पड़ेगा. वहीं, अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के मामले में एयरलाइंस को पूरी कीमत वृद्धि का सामना करना होगा, क्योंकि वहां किराया सौधे वैश्विक बाजार से जुड़े होते हैं.

प्रीमियम डीजल 1.50 रुपए महंगा

नई दिल्ली, 1 अप्रैल. पश्चिम एशिया संकट के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में तेज उछाल को देखते हुए देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन ने बुधवार को अपने प्रीमियम डीजल की कीमत में 1.50 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी कर दी. दिल्ली में इंडियन ऑयल का प्रीमियम डीजल, एक्सजी आज से 92.99 रुपये प्रति लीटर का मिल रहा है. इससे पहले इसकी कीमत 91.49 रुपये प्रति लीटर थी. इस प्रकार इसमें उड़द रुपये की बढ़ोतरी की गयी है.

सोने-चांदी की कीमतों में आई तेजी



नई दिल्ली, 1 अप्रैल. अप्रैल 2026 को सर्राफा बाजार में तेज उछाल देखने को मिला है. इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के ताजा आंकड़ों के अनुसार, 24 कैरेट सोना 2,836 रुपए महंगा होकर 10 ग्राम के लिए 1.50 लाख रुपए तक पहुंच गया है.

समय में आया है जब साल 2026 में अब तक सोना और चांदी दोनों ने निवेशकों को अच्छा रिटर्न दिया है. हालांकि, पिछले कुछ हफ्तों में अंतरराष्ट्रीय घटनाओं के चलते कीमतों में उतार-चढ़ाव भी देखने को मिला है. बावजूद इसके, बाजार में फिर से तेजी लौटने के संकेत मिल रहे हैं, जिससे निवेशकों और खरीदारों दोनों की नजरें अब बुलियन मार्केट पर टिकी हुई हैं. देश के सर्राफा बाजार में बुधवार को सोना और चांदी दोनों की कीमतों में मजबूत तेजी दर्ज की गई.

समाचार विशेष

हर बच्चे को प्यार, सम्मान और अवसर मिलना चाहिए

देश में बढ़ रहे हैं ऑटिज्म के मामले : जागरूकता और समय पर धेरेपी है समाधान !



डॉ. सुहास गर्ग
बालिकाल
ऑटिज्म विशेषज्ञ

ऑटिज्म, जिसे ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर (ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर - एसडी) कहा जाता है, एक न्यूरोडेवलपमेंटल (मस्तिष्क विकास से जुड़ा) विकार है. यह व्यक्ति के व्यवहार, सामाजिक संपर्क, संचार (बोलचाल), और सीखने की क्षमता को प्रभावित करता है. एम्स दिल्ली की रिसर्च के अनुसार भारत में 36 में से एक बच्चे को कोविड के बाद ऑटिज्म के लक्षण दिख रहे हैं, यह लड़कों में लड़कियों की तुलना में दो गुना अधिक होता है.

ऑटिज्म के मुख्य लक्षण- सामाजिक और संचार संबंधी कठिनाइयाँ- आँखों में आँखें न मिलाना. दूसरों से घुलने-मिलने से बचना. बातचीत में देरी या असामान्य ढंग से बोलना. किसी एक ही विषय में अधिक रुचि रखना. बर्ताव और रुचियों में दोहराव: एक ही काम को बार-बार करना (जैसे हाथ हिलाना, घूमना, ताली बजाना) किसी खास चीज (जैसे खिलौना, पंखा, रोशनी) में बहुत रुचि लेना. अचानक गुस्सा आना या बेचैनी महसूस करनासेंसरी (इंद्रियों से जुड़ी) समस्याएँ:-किसी खास आवाज, रोशनी, गंध, या स्पर्श से असहज महसूस करना. तेज आवाज या भीड़-भाड़ वाली जगहों से बचना

ऑटिज्म का कारण क्या है?- जेनेटिक कारण - परिवार में पहले से ऑटिज्म का इतिहास होना.

न्यूरोलॉजिकल कारण - मस्तिष्क के कुछ हिस्सों का अलग तरह से विकसित होना. पर्यावरणीय कारण

- गर्भावस्था के दौरान संक्रमण, प्रदूषण, या कुछ दवाओं का असर-आज भी ऑटिज्म को एक कलंक माना जाता है. कई लोग इसे भूत-प्रेत बाधा समझते हैं या मानते हैं कि बच्चे में कोई कमी है, और अक्सर इसका दोष माता पर डाल दिया जाता है. ऑटिज्म को लेकर जागरूकता और स्वीकार्यता बेहद जरूरी है, ताकि अंधविश्वास और गलत धारणाओं को खत्म किया जा सके और ऑटिस्टिक बच्चों को सही समझ और सहयोग मिल सके.

ऑटिज्म एक्सेप्टेंस (स्वीकार्यता) क्यों जरूरी है?

1. समाज में जागरूकता बढ़ाने के लिए- अभी भी कई लोग ऑटिज्म को गलत नजरिए से देखते हैं और इसे भूत-प्रेत बाधा या मानसिक बीमारी मानते हैं. जागरूकता से इन मिथकों को दूर किया जा सकता है.
2. ऑटिस्टिक व्यक्तियों को समान अवसर देने के लिए- ऑटिज्म से प्रभावित बच्चों और वयस्कों को शिक्षा, रोजगार और सामाजिक गतिविधियों में समान अवसर मिलना चाहिए ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें.

भेदभाव और सामाजिक कलंक को खत्म करने के लिए- ऑटिस्टिक बच्चों को अक्सर अलग-थलग कर दिया जाता है या उनका मजाक उड़या जाता है. एक्सेप्टेंस से समाज उन्हें बेहतर समझ सकेगा और उन्हें अपनाएगा.

परिवारों का मनोबल बढ़ाने के लिए- जब समाज ऑटिज्म को स्वीकार करेगा, तो अभिभावकों को भी भावनात्मक समर्थन मिलेगा और वे बिना किसी झिझक के सही धेरेपी और संसाधनों की मदद ले पाएंगे.

कांग्रेस छीन पाएगी अपना पुराना किला ?

इंदिरानगर में अब क्षेत्रीय दलों का दबदबा



पुडुचेरी विधानसभा चुनाव 2026
इंदिरा नगर विधानसभा

पुडुचेरी. बंगाल और तमिलनाडु के चुनावी शोर के बीच दक्षिण भारत का एक छोटा लेकिन बेहद खूबसूरत हिस्सा 'पुडुचेरी' भी अपनी नई सरकार चुनने की तैयारी में है. 9 अप्रैल को यहां की चर्चित इंदिरानगर विधानसभा सीट पर

चुकी है. यहां का चुनाव केवल राजनीतिक दलों की जंग नहीं, बल्कि विकास और साख की लड़ाई है. पुडुचेरी, जिसे कभी पोंडीचेरी के नाम से जाना जाता था, आज भी अपने भीतर 300 सालों के फ्रांसीसी प्रभाव को समेटे हुए है. 2006 में इसका आधिकारिक रूप से नाम बदलकर 'पुडुचेरी' कर दिया गया, जिसका स्थानीय तमिल भाषा में अर्थ होता है 'नया गांव'. यह शहर न केवल पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र है, बल्कि आध्यात्मिक और धार्मिक रूप से भी बहुत गहरा महत्व रखता है.

बिहार में नीतीश राज खत्म !

कौन बनेगा सीएम ? मुख्यमंत्री की रेस में हैं तीन नाम



पटना. बिहार की सियासत में सोमवार का सूरज एक बड़े बदलाव की आहट लेकर आया. दशकों तक बिहार की राजनीति की थुरी रहे नीतीश कुमार अब पटना से दिल्ली की ओर रुख कर रहे हैं. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को विधान परिषद की सदस्यता से अपना इस्तीफा सौंप दिया है.

दरअसल, वे 16 मार्च को ही राज्यसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित हुए थे और 10 अप्रैल से उनका कार्यकाल शुरू होने वाला है. जैसे ही नीतीश ने इस्तीफा दिया, पूरे सूबे में एक ही चर्चा आम हो गई है- अब बिहार का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा? यह सवाल केवल राजनीतिक

गलियारों तक सीमित नहीं है, बल्कि बिहार का हर नागरिक अब अपने भविष्य और नई सरकार की नीतियों को लेकर उत्सुक है. बिहार में इस बार पहली बार भाजपा का अपना मुख्यमंत्री बनने की प्रबल संभावना जताई जा रही है. इस रेस में सबसे पहला और मजबूत नाम सम्राट चौधरी का उभरकर सामने आ रहा है. वर्तमान में बिहार के उपमुख्यमंत्री और भाजपा विधायक दल के नेता सम्राट चौधरी कुशवाहा समाज के एक बड़े चेहरे माने जाते हैं. विशेषज्ञों का मानना है कि उन्हें सीएम बनाकर भाजपा एक बड़ा 'जाति कार्ड' खेल सकती है. चूंकि बिहार में यादव और कुर्मी समुदाय से मुख्यमंत्री रह चुके हैं, ऐसे में 4.27 प्रतिशत से अधिक आबादी वाले कुशवाहा समुदाय को साधने के लिए सम्राट चौधरी सबसे उपयुक्त चेहरा हो सकते हैं. इसका असर न केवल बिहार, बल्कि पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश के आगामी चुनावों पर भी पड़ सकता है, जहाँ इस विवाद की अच्छी-खासी संख्या है.

शाह के करीबी नित्यानंद भी चर्चा में

मुख्यमंत्री की दौड़ में एक और बड़ा नाम केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय का है. उन्हें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का बेहद करीबी माना जाता है और उनकी बिहार की राजनीति पर गहरी पकड़ है. नित्यानंद राय यादव समुदाय से आते हैं, जो पारंपरिक रूप से राजद का कोर वोटर माना जाता रहा है. भाजपा नेतृत्व यह सोच सकता है कि यदि नित्यानंद राय को कमान सौंपी जाती है, तो विपक्ष के मजबूत वोट बैंक में संघ लगाना आसान होगा. एनडीए के घटक दल भी किसी 'पिछले चेहरे' को ही मुख्यमंत्री बनाने के पक्ष में नजर आ रहे हैं. ऐसे में नित्यानंद राय का अभुव और समीकरणों को साधने की उनकी कला उन्हें इस रेस में काफी आगे खड़ा करती है.

